

क्रमांक/प.उ/34/राज/उप/87

बयपुर, विद्यार्क

राजस्थान उद्योग विभाग  
विद्यार्क

विषय:- शंकरा गांधी नहर के किनारे जन विद्यार्क  
आवंटन करने के संबंध में ।

-\*\*\*\*\*-

कोटा

उपरोक्त विषय में निदेशानुसार लेखने की शक्ति के अभाव में  
शंकरा नहर के किनारे जन विद्यार्क को जन विद्यार्क एवं कृषि विभाग के  
मार्फत आवंटन करने हेतु जन विद्यार्क के अधिकारी एवं उपनिवेश विभाग के  
अधिकारी संयुक्त रूप से भूमि एवं निर्धारित सीमा व सीमा निर्धारण  
में ध्यान कर एक नए से आवंटन हेतु राजस्थान सरकार के पास  
निम्नलिखित ताक सीमा का निर्धारण की जा रही है :-

संयोजित सीमा :-

1. मुख्य केनाल से	200 मीटर बायें	100 मीटर बायें
2. ब्रान्च नहर से	150 ---"---	50 ---"---
3. विद्यार्क से	50 ---"---	50 ---"---
4. मार्डनर इत्यादि	25 ---"---	25 ---"---

विद्यार्क

संयोजित सीमा के अतिरिक्त :-

1. मुख्य नहर	1000 मीटर बायें तथा 500 मीटर बायें
2. ब्रान्च नहर	500 मीटर बायें तथा 500 मीटर बायें
3. विद्यार्क	500 मीटर बायें तथा 500 मीटर बायें
4. मार्डनर इत्यादि	500 मीटर बायें तथा 500 मीटर बायें

एक संबंध में निम्न निर्णय लिये गये :-

1. इस विभाग द्वारा पुस्तिका नहरों से पुस्तिका अंतर्गत सीमा  
की सीमा में स्थित राजकीय कनाल एवं कनाल भूमि की  
कारणित करके शंकरा उपनिवेश विभाग, जन विद्यार्क को करेगा ।  
इस दृष्टि में व्यक्तिगत भूमि के संबंध में 2 बीघा अधिकतम  
भूमि के हदले में 1 बीघा सिंचित भूमि तथा एक बीघा सिंचित भूमि  
के हदले में एक बीघा सिंचित गांव के बात-बात में तब तक में  
भूमि धारक की सहमति लेकर अन्य जगह भूमि दिये जाने की  
स्वीकृत राजस्थान सरकार द्वारा प्रदान की जायेगी तथा जो भूमि  
शंकरा गांधी नहर शंकरा विद्यार्क को जायेगी वह भूमि जन  
विद्यार्क इस विभाग से निवृत्तानुसार प्राप्त करेगा ।

5934  
18/8/90

उपनिवेश  
4 AUG 1990

RITESH KUMAR VARMA  
ASSOCIATE GENERAL MANAGER (PROJECT)  
BIKANER KHETRI TRANSMISSION LTD.

- 2- धानबाई भूमि को प्रस्तावित दूरी को सीमा के अंतर्गत भूमि को प्रस्तावित दूरी को सीमा तक केवल अनकम्पाउंड भूमि तथा अन्य विभाग तक विभाग को आवंटित करेगा। इन पट्टीयों में पट्टी भूमि/राजकीय कम्पाउंड भूमि को विभाग द्वारा आवंटित नहीं किया जायेगा।
- 3- धानबाई सीमा में स्थित पट्टीयों में उपरोक्तानुसार आवंटित भूमि को विभागाधीन गतिविधि परियोजना विभाग को भूमि का आवंटित करने के लिए आवंटित की जाती है। उपरोक्तानुसार आवंटित भूमि को राजकीय भूमि का आवंटित करने को आवंटित नहीं किया जायेगा। उपरोक्तानुसार धानबाई पट्टी में कम्पाउंड व अनकम्पाउंड दोनों प्रकार की भूमि का आवंटित करने को आवंटित नहीं किया जायेगा। लेकिन धानबाई भूमि की पट्टी में राजकीय कम्पाउंड भूमि का आवंटित नहीं किया जायेगा। इन पट्टी में कम्पाउंड भूमि का आवंटित करने को आवंटित नहीं किया जायेगा।
- 4- इन विभाग के उपनिवेश विभाग के अधिष्ठाता/उपनिवेश अधिकारी द्वारा आवंटित भूमि का सर्वेक्षण/निरीक्षण एवं आवंटित भूमि के लिए आवश्यक भूमि आवंटन के निहित प्रस्ताव वास्तु, उपनिवेश विभाग को भेजा जायेगा। तत्पश्चात् उपनिवेश आयुक्त राज्य सरकार को निहित भूमि के आवंटन की सिफारिश करेगा। सिफारिश करने पर राज्य सरकार द्वारा आवश्यक रूप से स्वीकारण एवं वकील कर्तव्य हेतु वन विभाग को भूमि का आवंटन करेगा, जिसमें वह भी शामिल होगा कि राज्य सरकार वन्य विकास कार्य हेतु आवंटित भूमि को विभाग के अंतर्गत आवंटित नहीं किया जायेगा।
- 5- वायुमय, उपनिवेश एवं वन विभाग के अधिष्ठाता/उपनिवेश अधिकारी को आवश्यक रूप से सर्वेक्षण एवं स्थानों पर भूमि के आवंटन एवं सर्वेक्षण की कार्यवाही करने पर भी वन विभाग को आवंटित करने का कार्य आवंटित करने के लिए आवश्यकता है।
- 6- उपरोक्त क्षेत्र के आस-पास तथा सुदूरवर्त भूमि को आवंटित करने के लिए वन विभाग को वन विकास कार्य में सुधार हेतु आवंटन करने के संबंध में वन मन्त्रालय, बिहार तथा वन विभाग में वन विभाग ने अधिष्ठाता/उपनिवेश अधिकारी को सूचना उपनिवेश विभाग को उपलब्ध करायेगी जिससे वन पर निहित निहित भूमि का आवंटन करेगा।
- 7- इन विभाग के पत्र क्र. 3/54/राज/उप/07 दिनांक 14.4.2006 में उल्लेखित में यह प्राप्ति जारी किया जाता है।

अधीनस्थ

सहायक उप निवेश

- प्रतिनिधि :-  
 1. मुख्य वन अधिकारी, राजस्थान, जयपुर को आवश्यक कार्रवाई हेतु।  
 2. रक्षित प्रतिलिपि।

30

सहायक उप निवेश

RRVPM, BIKANER